200 करोड़ का फ्रेश इश्यू, बंपर प्रॉफिट, अब IPO लेकर आ रही यह कंपनी

नोएडा की प्री-इंजीनियर्ड स्टील कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशन प्रोवाइडर इंटरार्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ आने वाला है।

नई दिल्ली. नोएडा की प्री-इंजीनियर्ड स्टील कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशन प्रोवाइडर इंटरार्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ आने वाला है। शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को कंपनी ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) सब्मिट किया है। इसके मुताबिक ?10 प्रति इक्विटी शेयर के फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में ?200 करोड़ तक के शेयरों का फ्रेश इश्यू है। इसके अलावा प्रमोटर समूह समेत अन्य शेयरधारकों द्वारा भी ऑफर फॉर सेल के तहत शेयर बिक्री की जाएगी।

कौन-कौन बेच रहा हिस्सेदारी

ऑफर फॉर सेल में अरविंद नंदा द्वारा 7.20 लाख इक्विटी शेयर, गौतम सूरी द्वारा 7.90 लाख शेयर, ईशान सूरी द्वारा 5.40 लाख शेयर और शोभना सूरी द्वारा 6 लाख शेयर की बिक्री शामिल है। इसके अलावा ओआईएच मॉरीशस लिमिटेड द्वारा 10 लाख से ज्यादा शेयरों की बिक्री की योजना है। जानकारी के मुताबिक कंपनी कुल ?40 करोड़ के इक्विटी शेयरों के प्राइवेट प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो नए इश्यू के साइज में कमी आएगी।

क्या होगा आईपीओ के पैसे का

आईपीओ के तहत फ्रेश इश्यू से हुई कमाई में से कुल ?58.53 करोड़ अलग-अलग काम के लिए अलॉट होंगे। किच्छा मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज, पंतनगर मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज और तमिलनाडु मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज के अपग्रेडेशन के लिए ?19.25 करोड़ अलॉट होंगे। कंपनी के मौजूदा इंफ्रा को बढ़ाने के लिए

आईटी एसेट्स में निवेश के लिए ?10.97 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा वर्किंग कैपिटल जरूरत और सामान्य कॉर्पोरेट मकसद को पूरा करने के लिए ?55 करोड़ अलॉट किए जाएंगे। आपको बता दें कि एंबिट प्राइवेट लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कंपनी के तिमाही नतीजे

वित्त वर्ष 2023 के दौरान परिचालन से राजस्व पिछले वर्ष के 834.94 करोड़ रुपये से 34.6 प्रतिशत बढ़कर 1,123.93 करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में प्रॉफिट 17.13 करोड़ रुपये से 375.54 प्रतिशत बढ़कर 81.46 करोड़ रुपये हो गया।

30 सितंबर 2023 को समाप्त छह महीनों के दौरान परिचालन से राजस्व 591.53 करोड़ रुपये और प्रॉफिट 34.57 करोड़ रुपये रहा। 30 सितंबर, 2023 तक कंपनी का ऑर्डर बुक 1,036.27 करोड़ रुपये का था।इंटरार्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स एक टर्नकी प्री-इंजीनियर्ड स्टील मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशन प्रोवाइडर है। इसमें डिजाइन और इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और ऑन-साइट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कैपिसिटी के लिए इंटीग्रेटेड फैसलिटीज हैं।

एनर्जी शेयर को खरीदने की मची लूट, लगातार लग रहा अपर सर्किट, मोदी सरकार के इस ऐलान का असर!

नई दिल्ली. जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर में लगातार 5त्न का अपर सर्किट लगा है। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर 881.20 रुपये पर पहुंच गए। पिछले तीन कारोबारी दिन से इस शेयर में लगातार तेजी देखी जा रही है और इस दौरान यह शेयर 15.5त्न चढ़ा है। बता दें कि कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सोलर पैनल एनर्जी स्कीम लेकर आई है। इसका

ऐलान इस साल बजट में किया गया था। तब से जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर चर्चा में हैं। बता दें कि जेनसोल इंजीनियरिंग सोलर एनर्जी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सर्विस कारोबार में सक्रिय है। कंपनी ने हाल ही में कॉन्टिनम ग्रीन एनर्जी के लिए भावनगर, गुजरात में एक डील की है।

मुकुल अग्रवाल के पास बड़ी हिस्सेदारी

ट्रेंडलाइन डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार, जेनसोल इंजीनियरिंग मुकुल अग्रवाल पोर्टफोलियो स्टॉक है। इसकी होल्डिंग दिसंबर 2023 के अंत में 1.5त्न थी। जेनसोल की देश भर में 400 से अधिक ग्राहकों के साथ साझेदारी है और 1000 करोड़ से अधिक की ईपीसी ऑर्डर बुक है।

सेमीकंडक्टर में इस कंपनी की एंट्री, शेयर खरीदने की लूट, लगातार बढ़ रहा भाव

नई दिल्ली. शेयर बाजार में बुधवार को इंट्रा-डे कारोबार में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के शेयरों में भारी मात्रा में कारोबार हुआ है। इंट्रा-डे कारोबार में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के शेयर बीएसई पर 8 फीसदी उछलकर 516.65 रुपये पर पहुंच गए। मुरुगप्पा समूह की कंपनी का शेयर 516.65 अपने रिकॉर्ड 52 वीक हाई पर पहुंच गया। बता दें कि यह शेयर लगातार 5वें दिन हाई लेवल पर कारोबार कर रहा है। इस दौरान इसमें 10त्न तक की तेजी आई है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करेगी कंपनी

हाल ही में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड ने कहा है कि वह जापान के रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन और थाईलैंड के स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करेगा। यह यूनिट 7,600 करोड़ रुपये के निवेश के साथ स्थापित की जाएगी। बता दें कि रेनेसा एक सेमीकंडक्टर कंपनी है जो स्पेशल चिप्स पर फोकस्ड है।

यह 12 सेमीकंडक्टर सुविधाएं संचालित करता है और माइक्रोकंट्रोलर, एनालॉग, पावर और सिस्टम ऑन चिप (एसओसी) उत्पादों में एक प्रमुख प्लेयर है। बता दें कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29 फरवरी को भारत की सेमीकंडक्टर योजना के तहत संयुक्त उद्यम की परियोजना को मंजूरी दी थी।

कंपनी के शेयरों के हाल

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के शेयर पिछले एक महीने में 17त्न तक चढ़ गए और इस साल YTD में यह शेयर 11त्न चढ़ गया है। सालभर में यह शेयर 75 तक चढ़ गया। पिछले पांच साल में यह शेयर 1,031.64 का रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 45 रुपये से बढ़कर वर्तमान 516.65 रुपये तक पहुंच गई।

20 बढ़ा डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, इकोनॉमी के लिए अच्छी खबर

नई दिल्ली. चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 19.88 प्रतिशत बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। आयकर विभाग के निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि 17 मार्च तक टोटल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 18,90,259 करोड़ रुपये रहा है जिसमें 9,14,469 करोड़ रुपये कॉरपोरेट टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स के अलावा 9,72,224 करोड़ रुपये का सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) भी शामिल है। इसके साथ चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक करीब 3.37 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया जा चुका है।

क्या कहा सीबीडीटी ने

ग्रॉस आधार पर रिफंड समायोजन से पहले कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 22.27 लाख करोड़ रुपये था। यह एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 18.74 प्रतिशत अधिक है। सीबीडीटी ने कहा- वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के अस्थायी आंकड़े बताते हैं कि नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 18,90,259 करोड़ रुपये है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 15,76,776 करोड़ रुपये था। यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 19.88 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के संशोधित अनुमान में पूरे वित्त वर्ष के लिए प्राप्तियां 19.45 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद जताई है।

आयकर अधिकारियों को मिला ये आदेश

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिकारियों को टीडीएस/टीसीएस, अघोषित विदेशी आय या ईडी एवं जीएसटी आसूचना जैसी एजेंसियों से मिली सूचना से संबंधित मामलों में मौद्रिक सीमा के परे अपील दायर करने की अनुमति दे दी है। वर्ष 2019 में तय सीमा के तहत फिलहाल कर अधिकारी आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी), उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपील दायर कर सकते हैं, अगर विवादित कर मांग क्रमशः 50 लाख रुपये, एक करोड़ रुपये और दो करोड़ रुपये से अधिक है।

खुशखबरी: होली की छुट्टियों से पहले सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली. होली की लंबी छुट्टियों से पहले थोक मंडियों में सरसों की रिकॉर्ड आवक के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में मंगलवार को सरसों सहित बाकी सभी तेल तिलहनों के भाव दबाव में आ गए और इन सभी तेल-तिलहनों के दाम नुकसान के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मलेशिया और शिकॉगो एक्सचेंज में मामूली गिरावट का रुख था।बाजार सूत्रों ने कहा कि थोक मंडियों में लगभग 16 लाख बोरी सरसों की आवक हुई है। होली की लंबी छुट्टियों से पहले विशेषकर छोटे किसान अपनी उपज निकाल रहे हैं। इसके अलावा आगे जाकर सोयाबीन डीगम और सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ने की चर्चाओं के कारण भी किसान असमंजस में हैं और अपनी फसल निकाल रहे हैं।दाम बढ़ने का इंतजार कर रहे बड़े किसान बड़े किसान तो फिर भी अपनी फसल रोके हैं और वे दाम बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। किसान पहले से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 10-12 प्रतिशत नीचे दाम पर बेचने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरसों की इस गिरावट से मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पाम ऑयल, पामोलीन और बिनौला तेल भी नुकसान के साथ बंद हुए।

दिल्ली मंडी में तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे

सरसों तिलहन - 5,275-5,315 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों तेल दादरी- 10,200 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,725-1,825 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,725 -1,820 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल।मूंगफली - 6,080-6,355 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 14,800 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,225-2,500 रुपये प्रति टिन। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,950 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,700 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 9,300 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 4,635-4,655 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 4,435-4,475 रुपये प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का)- 4,075 रुपये प्रति क्विंटल।सीपीओ एक्स-कांडला- 9,250 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,550 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,600 रुपये प्रति क्विंटल।

KFC फैंचाइजी वाले शेयर की दौड़, बेहाल बाजार में भी 4 दिन से रॉकेट बना है भाव

नई दिल्ली. फास्ट फूड रेस्टोरेंट केएफसी फैंचाइजी के अच्छे आउटलुक की उम्मीदों को देखते हुए सफायर फूड्स इंडिया के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई है। यह शेयर बीएसई पर 6 फीसदी की तेजी के साथ 1,616 रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। पिछले चार कारोबारी दिनों में रेस्तरां कंपनी का स्टॉक 18 प्रतिशत बढ़ गया है। इसी के साथ यह शेयर 11 सितंबर को छुए गए 1,565.30 रुपये के अपने पिछले उच्च स्तर को पार कर गया है। बीते कुछ दिनों से शेयर में तेजी इसलिए भी अहम है कि बाजार बिकवाली मोड में नजर आ रहा है।

निवेशकों का बढ़ा भरोसा

पिछले एक महीने में संस्थागत निवेशकों ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी करीब 3 फीसदी बढ़ाई है। 7 मार्च, 2024 को एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने ओपन मार्केट के जरिए 1.45 मिलियन इक्विटी शेयर हासिल किए, जो सफायर फूड्स के 2.28 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी 5.25 प्रतिशत से बढ़कर 7.54 प्रतिशत हो गई। डेटा से पता चलता है कि 31 दिसंबर, 2023 तक म्यूचुअल फंड के पास सफायर फूड्स में 4.05 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इससे पहले 27 फरवरी, 2024 को जीआईसी प्राइवेट लिमिटेड ने सफायर फूड्स में 329,695 इक्विटी शेयर या

0.52 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। इस अधिग्रहण के बाद कंपनी में जीआईसी की हिस्सेदारी 7.56 प्रतिशत से बढ़कर 8.08 प्रतिशत हो गई।

विदेश तक फैला कंपनी का कारोबार

सफायर फूड्स ने भारत और श्रीलंका में लगभग 270 केएफसी और पिज्जा हट स्टोर्स का अधिग्रहण करते हुए सितंबर 2015 में परिचालन शुरू किया। इसकी भारत, श्रीलंका और मालदीव में उपस्थिति है।

31 दिसंबर 2023 तक कंपनी भारत में 406 केएफसी और 319 पिज्जा हट रेस्तरां, श्रीलंका में 112 पिज्जा हट रेस्तरां और 9 टैको बेल रेस्तरां के अलावा मालदीव में 2 केएफसी और पिज्जा हट रेस्तरां का संचालन करती है। हालांकि, सफायर 2024 में केएफसी स्टोर की संख्या को दोगुना करने की राह पर है।

हमें एहसास नहीं था... विवादों के बीच प्योर वेज सर्विस पर Zomato का यू-टर्न

नई दिल्ली. जोमैटो ने वेजिटेरियन यानी शाकाहारी ग्राहकों के लिए शुरू की गई डिलीवरी सर्विस पर यू-टर्न ले लिया है। जोमैटो ने कहा है कि उसके सभी डिलीवरी पार्टनर रेड ड्रेस पहनना जारी रखेंगे। बता दें कि नई सर्विस के तहत जोमैटो ने शाकाहारी ग्राहकों को भोजन पहुंचाने वाले डिलीवरी पार्टनर के लिए ग्रीन ड्रेस शुरू किया था। इस फैसले की आलोचना के बाद अब ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाले इस प्लेटफॉर्म ने अपना फैसला वापस ले लिया है। हालांकि, शाकाहारी ग्राहकों को प्योर वेज फूड डिलीवरी सर्विस मिलती रहेगी।**क्या कहा जोमैटो सीईओ ने**

जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट में कहा- ग्रीन ड्रेस के इस्तेमाल से डिलीवरी पार्टनर्स के बीच अंतर आता है। हमने इस अंतर को हटाने का फैसला किया है। हमारे सभी पार्टनर्स जो वेज या नॉन-वेज डिलीवर करते हैं, पहले की तरह रेड ड्रेस पहनेंगे।

ग्राहक ऐप पर देख सकेंगे वेज ऑर्डर

गोयल ने बताया कि जो ग्राहक प्योर वेज ऑर्डर को चुनते हैं, वे मोबाइल ऐप पर इसकी जानकारी ले सकेंगे। वह देख सकेंगे कि उनके ऑर्डर केवल वेजिटेरियन फ्लीट द्वारा वितरित किए जा रहे हैं। सभी पार्टनर्स के एक समान रेड ड्रेस से डिलीवरी पार्टनर्स की परेशानी दूर होगी।

कैसे हो सकती थी परेशानी

दरअसल, डिलीवरी पार्टनर्स में अंतर होने की स्थिति में रेड ड्रेस के डिलीवरी पार्टनर्स के निशाने पर आने का डर था। किसी भी फ्लैट, सोसायटी, मोहल्ला या इलाके में यह आसानी से पहचान में आ जाता कि रेड ड्रेस वाले डिलीवरी पार्टनर के पास नॉन-वेजिटेरियन यानी मांसाहारी खाना है और वह जिस ग्राहक को डिलीवर करने जा रहा है वो भी मांसाहारी खाता है। ऐसे में वह डिलीवरी पार्टनर और ग्राहक, दोनों के लिए ही मुसीबत बनती।

ग्राहकों को होती परेशानी

जोमैटो के सीईओ गोयल ने कहा कि इस फैसले से किसी विशेष दिन के दौरान रेड ड्रेस वाले पार्टनर्स किसी आरडब्ल्यूए या सोसायटी द्वारा ब्लॉक नहीं किए जा सकेंगे। हमारे डिलीवरी पार्टनर्स की शारीरिक सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। गोयल ने आगे कहा कि हमें यह भी एहसास हुआ है कि हमारे कुछ ग्राहक अपने मकान मालिकों से परेशानी में पड़ सकते हैं और अगर हमारी वजह से ऐसा हुआ तो यह अच्छा नहीं होगा।

गोयल ने प्योर वेज सर्विस की घोषणा के बाद इन मुद्दों को उठाने के लिए सोशल मीडिया को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम अनावश्यक अहंकार या अभिमान के बिना, हमेशा सुनते रहते हैं। हम इसके लिए तत्पर हैं। हम आपकी सेवा करना जारी रखेंगे।

एयरटेल की इस यूनिट को सेबी ने आईपीओ लाने के लिए दी हरी झंडी पर जारी नहीं होंगे नए शेयर

नई दिल्ली. भारती एयरटेल की इकाई भारती हेक्साकॉम को आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। हेक्साकॉम के आईपीओ में कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा।

यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित होगा।ओएफएस के तहत टेलीकॉम कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 10 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। भारती हेक्साकॉम ने आईपीओ के लिए दस्तावेज भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) में जनवरी में दाखिल किए थे। कंपनी को 11 मार्च को निष्कर्ष पत्र मिल गया। किसी भी कंपनी को आईपीओ लाने के लिए सेबी का निष्कर्ष पत्र जरूरी होता है।भारती हेक्साकॉम राजस्थान और उत्तर पूर्व में ग्राहकों को एयरटेल ब्रांड के तहत उपभोक्ता मोबाइल सेवाएं, फिक्स्ड लाइन टेलीफोन और ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करती है। इसने वित्त वर्ष 2023 में 549.2 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 67.2 प्रतिशत की गिरावट है।

19 जनवरी को सेबी के साथ दायर ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, प्रमोटर भारती एयरटेल के पास 70 प्रतिशत हिस्सेदारी (35 करोड़ इक्विटी शेयर) और शेष 30 प्रतिशत शेयरधारिता (15 करोड़ इक्विटी शेयर) के बराबर है।सेबी ने 11 मार्च को कंपनी के आईपीओ ड्राफ्ट पेपर्स पर एक ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया। सेबी की भाषा में, ऑब्जर्वेशन लेटर जारी करने का मतलब है कि कंपनी अगले एक साल की अवधि के भीतर अपना आईपीओ लॉन्च कर सकती है। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, एक्सिस कैपिटल, बीओबी कैपिटल मार्केट्स, आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज और आईआईएफएल सिक्योरिटीज इश्यू के लिए बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

भारती एयरटेल की इकाई भारती हेक्साकॉम को आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। ओएफएस के तहत टेलीकॉम कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 10 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे।